an>

Title: Issue regarding recuring floods in Bihar.

श्री राजेश रंजन (मधेपुरा) : सभापति महोदया, मैं आपका ध्यान अत्यधिक संवेदनशील मामले की ओर दिलाना चाहता हूं। नेपाल में अत्यधिक पानी का जमाव होने के मुद्दे ने देश का सबसे अत्यधिक ध्यान आकर्षित किया है, जिसमें प्रधान मंत्री जी भी चिंतित रहे हैं। हमने सुश्री उमा भारती से भी बातचीत की है। श्रीमती रंजीत रंजन ने भी कई बार सुश्री उमा भारती से बातचीत की है। इसके अलावा खुद उमा भारती जी ने रंजीत रंजन जी से क्षेत्र में पांच बार पूछा कि क्या स्थिति है? उसके बाद प्रधान मंत्री कार्यालय से भी मेरी आज बात हुई, कैबिनेट सचिव से बात हुई। मुख्य मंत्री जी से मेरी बात हुई। मुख्य मंत्री श्री जीतन राम मांझी भी वहां दो बार गये। वे आज भी गये और दो दिन पहले भी गये।

यह काफी गंभीर मामला है। कोसी से लेकर उत्तर बिहार के मिथिला, भागलपुर, बांका, पूर्णिया आदि जो इलाके हैं, ये हमेशा हर साल बाढ़ से प्रभावित हो जाते हैं। लोगों का कहना है कि हर साल मरने से बेहतर है कि हम लोगों को एक बार ही बम से मार दिया जाए या पानी में जहर दे दिया जाए। हर साल मरने से अच्छा है कि एक बार ही हम लोगों को मार दिया जाए। स्थिति बहुत ही हृदयविदारक है। नेपाल और भारत सरकार के बीच इन्हीं बातों के कारण तनाव की स्थिति बनी रहती है। दोनों का समाधान होना आवश्यक है। श्री अटल बिहारी वाजपेयी के समय में ही एक प्राधिकार बना था, उस समय बिहार के ही मंत्री थे आदरणीय श्री सी.पी. ठाकुर जी। उन्होंने इस संबंध में एक कार्यालय खोला था और अभी तक रिपोर्ट नहीं आ पायी है। उस समय हाई डैम कैसे बनाया जाए या सब-डैम बनाने की बात हुई थी। लेकिन अभी की जो स्थिति है, वह यह है कि कम से कम 50 लाख लोग बेघर होकर सड़क पर आ गये हैं। उनके लिए वहाँ पर भोजन तथा अन्य किसी प्रकार की व्यवस्था नहीं है। किसी भी तरह से अच्छी स्थिति नहीं है। मैं आपसे सिर्फ यह कहना चाहता हूँ कि आज़ादी के बाद वहाँ आज विस्थापितों को जमीन नहीं मिली, इंदिरा आवास योजना के तहत घर नहीं मिले और वहाँ पर स्थिति ऐसी है कि मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करूँगा कि एक मिथिला विकास प्राधिकार या कोसी विकास प्राधिकार बनाकर वहाँ के लिए विशेष पैकेज दिया जाए। कोसी नदी का स्थायी निदान कैसे हो, इस पर विचार किया जाए। बालू को निकालकर नदी को गहरा किया जाए। कोसी, महानन्दा और गंडक नदी से लोगों को कैसे बचाया जाए,...(व्यवधान) इस पर विचार किया जाए और हाई डैम का निर्माण कराया जाए। ...(व्यवधान) मैं कहना चाहता हूँ कि जब श्री नरेन्द्र मोदी जी नेपाल गये तो बहुत उम्मीद थी कि इस मामले में निश्चित रूप से कोई-न-कोई समाधान होगा। यह एक बहुत ही जटिल मामला है, इसका निश्चित रूप से कोई समाधान होना चाहिए, मैं यही आग्रह करता हूँ।